E-Learning Study Material

By- Prof-(Dr) YADWENDRA SINGH
MAHARAJA COLLEGE ARA
VKS UNIVERSITY, Ara, BIHAR

B.A. Economics Hons, Second Year
Paper-Third

Present Position of Cotton Textile Industry in India :-

"Cotton plays an important role in the Indian Economy as the country's textile industry is predominantly cotton based. India is one of the largest producers as well as exporters of cotton yarn. The Indian Textile Industry contributes around 5% to country's gross domestic Product (GDP) 14% to industrial production and 11% to total export earnings. The industry is also the second largest employer in the country after agriculture providing employment to over 50 million people directly and 68 million people indirectly, including unskilled women. The textile industry is also expected to reach U.S $ 223 billion by the year ~~2021~~ 2021."

Scanned with CamScanner

सूती वस्त्र का प्रथम आधुनिक कारखाना 1818 में फोर्ट ग्लास्टर, कोलकाता में लगाया गया था। भारतीय पूँजी से प्रथम सफल कारखाना कावाल जी डाबर द्वारा 1854 में मुंबई में लगाया गया। सूतीवस्त्र उद्योग एक शुद्ध कच्चा माल आधारित उद्योग है। अतः उद्योग की स्थापना कच्चे माल क्षेत्र या बाजार क्षेत्र कहीं भी की जा सकती है। प्रारम्भ में इस उद्योग का विकास कपास उत्पादन वाले क्षेत्रों (मुंबई, अहमदाबाद आदि) में हुआ। बाद में इसका विकेन्द्रीकरण बाजार की सुविधा वाले क्षेत्रों में हुआ।

सूतीवस्त्र का उत्पादन तीन क्षेत्रों के अन्तर्गत होता है - कारखाना मिल क्षेत्र, शक्ति चालित करघे (पावरलूम क्षेत्र) हथकरघे (हैंडलूम क्षेत्र)।

कुल कपड़ा उत्पादन में सूती कपड़े का योगदान लगभग 70 प्रतिशत है। मुंबई तथा उसके आसपास सूतीवस्त्र उद्योग के संकेंद्रित होने के पीछे कई कारक तथ्यों का योगदान है, जो इस प्रकार है :-

(i) बंदरगाह के अवस्थित होने के फलस्वरूप पूँजीगत उपकरणों, रसायनों, वस्त्रनिर्माण की मशीनरी-प्लांट एवं अन्य आवश्यक वस्तुओं आदि का आयात करना तथा तैयार माल का निर्यात करना सुगम था।

Scanned with CamScanner

(ii) मुंबई रेल व सड़क मार्गों द्वारा गुजरात एवं महाराष्ट्र के कपास उत्पादक क्षेत्रों से ~~अधिक~~ ~~xxxx~~ अच्छी तरह से जुड़ा हुआ है।

(iii) आर्द्र तटीय जलवायु कपड़ा निर्माण के अनुकूल साबित होती है।

(iv) मुंबई के आसपास रसायन उद्योग के विकास के फलस्वरूप आवश्यक आगत आसानी से उपलब्ध हो जाते हैं।

(v) वित्तीय एवं पूंजी संसाधनों की उपलब्धता, सस्ता श्रम की उपलब्धता, उद्योग के विकास में सहायक है।

(vi) अहमदाबाद भी सूतीवस्त्र उद्योग के एक महत्वपूर्ण केन्द्र के रूप में विकसित हुआ है। यहाँ की मिलों का आकार छोटा है किन्तु इनमें उत्पादित सूती वस्त्र की गुणवत्ता उच्च है। कारखानों के लिए कच्चे माल की आपूर्ति महाराष्ट्र एवं गुजरात के कपास उत्पादक क्षेत्रों द्वारा की जाती है।

भारतीय सूती कपड़ा उद्योग की एक जटिल त्रि-स्तरीय अवसंरचना है:-

(a) हाथ की कताई और बुनाई का खादी क्षेत्र
(b) मध्यवर्ती हथकरघा का श्रम गहन क्षेत्र
(c) मिल क्षेत्र, जो बड़े पैमाने पर होता है, और पूंजी गहन और जटिल होता है।

Scanned with CamScanner